

आयुधभूत पुं. (तत्.) अस्त्र-शस्त्र से सुसज्जित व्यक्ति, हथियारों से लैस सिपाही, सक्षम योद्धा।

आयुधशाला स्त्री. (तत्.) वह भंडार गृह जहाँ अस्त्र-शस्त्र आदि सैन्य सामग्री रखी जाती है और आवश्यकता होने पर सेना को उपलब्ध कराई जाती है ordinance depot तु. आयुधनिर्माणी।

आयुधागार पुं. (तत्.) [आयुध+आगार] अस्त्र-शस्त्र रखने का स्थान, आयुध का आगार।

आयुधिक वि. (तत्.) अस्त्र-शस्त्र से संबंधित।

आयुधी वि. (तत्.) दे. आयुधीय।

आयुधीय पुं. (तत्.) 1. फौजी, सिपाही 2. सैनिक या रंगरूट देनेवाला गाँव वि. हथियार बाँधनेवाला।

आयुर्दाय पुं. (तत्.) 1. आयु 2. जीवन-काल 3. ज्यो. ग्रहों के आधार पर आयु का निर्णय।

आयुर्द्रव्य पुं. (तत्.) 1. आयु के लिए हितकारी द्रव्य, आयु बढ़ाने वाला पदार्थ 2. एक आयुर्वेदिक औषधि।

आयुर्बल पुं. (तत्.) उम्र, आयुष्य।

आयुर्योग पुं. (तत्.) ज्यो. वह ग्रहयोग जिसके अनुसार ज्योतिषी किसी व्यक्ति की आयु या उसका भविष्य बतलाते हैं।

आयुर्विज्ञान पुं. (तत्.) 1. रोग की चिकित्सा या उपचार से संबंधित विज्ञान पर्या. चिकित्सा-विज्ञान इसके अंतर्गत ऐलोपैथी, आयुर्वेद, यूनानी, होम्योपैथी आदि सभी चिकित्सा पद्धतियाँ शामिल हैं medicine 2. आयु या जीवन से संबंधित विज्ञान। medical science(s)

आयुर्वेद पुं. (तत्.) आयु बढ़ाने का शास्त्र, हानिकारक पदार्थों के वर्णन का शास्त्र, रोगों के निदान अथवा चिकित्सा का शास्त्र, यह शास्त्र अथर्ववेद का उपवेद है, मनुष्यों के अतिरिक्त आयुर्वेद में पशु जगत और वनस्पति जगत विषयक चिंतन भी उपलब्ध है।

आयुर्वेदी पुं. (तत्.) 1. आयुर्वेद का ज्ञाता 2. आयुर्वेद की पद्धति के अनुसार चिकित्सा करने वाला।

आयुर्वेदिक वि. (तत्.) आयुर्वेद संबंधी, आयुर्वेद के ज्ञान अनुसार।

आयुवर्ग पुं. (तत्.) आयु के अनुसार विभक्त वर्ग जैसे 12 वर्ष की आयु तक के बच्चे, 12 से 18 वर्ष तक के बालक-बालिकाएँ, आदि।

आयुशेष पुं. (तत्.) आयु का शेष भाग, आयुःशेष, जीवन का शेष भाग।

आयुष पुं. (तत्.) जीवनकाल, आयु पुं. ज्योतिष का एक योग।

आयुष्कर वि. (तत्.) आयु बढ़ाने वाला, आयुवर्धक।

आयुष्टोम पुं. (तत्.) दीर्घ आयु की प्राप्ति के लिए यज्ञ-विशेष।

आयुष्मती वि. (तत्.) 1. दीर्घायु स्त्री 2. सौभाग्यवती।

आयुष्मन पुं. (तत्.) आयुष्मान का संबोधन-रूप।

आयुष्मान पुं. (तत्.) 1. दीर्घ आयु वाला, दीर्घजीवी, चिरंजीवी 2. नाटकों के सूत रथी को 'आयुष्मान' कह कर संबोधन करते हैं 2. ज्यो. फलित ज्योतिष के विषकुंभ आदि 27 भेदों में से एक वि. 1 लंबी उम्रवाला 2. जीवित।

आयुष्य वि. (तत्.) आयु बढ़ाने वाला, जीवन-रक्षक। पुं. जीवनी शक्ति।

आयुस पुं. (तत्.) 1. जीवनकाल 2. जीवनी शक्ति 3. आयु (संबंधी)।

आयुस्तरण पुं. (तत्.) नृवि. आयु के आधार पर व्यक्तियों का वर्गीकरण यथा शिशु, बाल, किशोर, वयस्क, युवा आदि।

आयोग पुं. (तत्.) 1. प्रशा. किसी विशिष्ट कार्य को संपन्न करने के लिए स्थापित संगठन commission 2. नियुक्ति 3. काव्य. विप्रलंभ के दो पक्षों में से प्रथम, जिसमें अविवाहित अवस्था में प्रेम हो जाने पर मिलन न होने से विरह होता है, पूर्वराग की अवस्था 4. हल या बैलगाड़ी का जुआ कृषि. 5. पुष्पादि भेंट करने की क्रिया